बी० ए० तृतीय वर्ष
तृतीय प्रश्न पत्र

—डा० कृपाशंकर यादव

राष्ट्रीय शक्ति के तत्व

3. जनसंख्या (Population)

→ यदि राष्ट्रों के बीच अन्य बातें समान हों तो अधिक जनसंख्या निर्णायक हो सकती है।

- बड़ी आबादी से यह तय नहीं हो जाता कि राज्य बड़ी शक्ति ही हो जायेगा, लेकिन कोई राज्य सापेक्षतः बड़ी जनसंख्या के बिना बड़ी शक्ति नहीं हो सकता।
- बड़ी जनसंख्या सैनिक और आर्थिक दृष्टि से किसी राष्ट्र की शक्ति में वृद्धि कर सकती है।
- विशाल जनसंख्या से बड़ी फौजें, अधिक श्रमिक और श्रेष्ठ व्यक्तियों के चयन की सुविधा होती है।
- यदि दो राष्ट्रों की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास, औद्योगिक स्तर तथा अन्य शक्ति तत्व समान हों तो विशाल जनसंख्या सदैव राष्ट्र की शक्ति बढ़ाने में अधिक सहायक होती है।
- अधिक जनसंख्या से राष्ट्र के सदस्यों का मनोबल ऊँचा रहता है।

→ तथापि राष्ट्र का शक्तिशाली होना वास्तविक रूप से जनसंख्या की प्रकृति, उसके चरित्र और गुणों पर निर्भर करता है।

- वस्तुतः राष्ट्रीय शक्ति जनता के ओज, चरित्र, उत्पादन क्षमता, स्वास्थ्य, शिक्षा स्तर तथा आर्थिक प्रोत्साहन का ही सम्मिलित नाम है।
- जनसंख्या की अति अधिकता एवं अति न्यूनता दोनों राष्ट्रीय शक्ति के विकास में बाधाएं पैदा करती हैं। राष्ट्र के संसाधन के अनुपात में मध्यम जनसंख्या राष्ट्रीय शक्ति में सहायक होती है। जनसंख्या के भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक उपभोग के मामले में राष्ट्र को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
- भारत एवं चीन की अत्यधिक जनसंख्या महाशक्ति बनने में इन देशों के विकास में अनेकों रुकावटें पैदा कर देती है।
- अफ्रीका एवं रूस भी संसाधन के अनुपात में मध्यम जनसंख्या उसे महाशक्ति बनाती है।